कलयुग में ज्योत जगाई है सखी | By Narendra Kaushik |

कलयुग में ज्योत जगाई है सखी
बालाजी घाटे आरे ने

सब दुनिया के दुखी को हरते
तेरे वीर जो डरते फिरते
ओ सबकी गई सुनाई है सखी
बालाजी घाटे आरे ने

हर दम तेरी शक्ति चमके
तेरा नाम जगत में दमके
या कर दी कला सवाई ए सखी
बालाजी घाटे आरे ने

तुम सुख सन्मुख दर्शी राजा
तेरा बाजा धर्म का बाजा
या दुविधा दूर हटाई रे सखी
बालाजी घाटे आरे ने

सैनी केर सं लाल आया
तेरे चरणों में ध्यान लगाया
मेरे मन की प्यास बुझाई है सखी
बालाजी घाटे आरे ने

कलयुग में ज्योत जगाई है सखी
बालाजी घाटे आरे ने

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%b2%e0%a4%af%e0%a5%81%e0%a4%97-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%9c%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a5%8b%e0%a4%a4-%e0%a4%9c%e0%a4%97%e0%a4%be%e0%a4%88-%e0%a4%b9%e0%a5%88-%e0%a4%b8%e0%a4%96/